हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड , भिवानी

अंक योजना

कक्षा - ग्यारहवीं | विषय - हिंदी ऐच्छिक

समय - 3 घंटे | कुल अंक - 80

सामान्य निर्देश :-

1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

2) वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिये गये उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है,

बल्कि सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।

3) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

4) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
		खंड - क	
1.	(i)	(घ) क और ख दोनों	1
	(ii)	(घ) उपरोक्त सभी	1
	(iii)	(ग) क और ख दोनों	1
	(iv)	(क) युद्ध वीरता	1
	(v)	(क) साहसपूर्ण आनन्द की उमंग को	1
2.	(i)	(घ) चित्त भ्रांत कर अंट- संट बकने पर मजबूर कर सकते हैं।	1
	(ii)	(घ) इंसान के गुण, प्रतिभा व विशेषताएँ आज की स्थिति में गौण हो गये हैं।	1
	(iii)	(ख) शोषण के विरुद्ध ।	1

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

	(iv) (v)	(क) आंकड़े इतने अधिक थे कि दिमाग उन्हें स्वीकार नहीं कर रहा था। (ख) तादाद द्वारा जनित उत्तेजना प्राणनाशक हो सकती है।	1 1
		खंड - ख	
3.	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(ख) सिपाही। (घ) किसी को भरपेट भोजन न मिलने के दुख के कारण। (क) उसके हँसने के कारण। (घ) उपरोक्त सभी। (ख) लेखक थे।	1 1 1 1 1
4.	(i)	हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करने के लिए निम्नलिखित तर्क दिए- (क) खिलौने जल्दी नष्ट हो जाते हैं मगर चिमटे का कुछ नहीं बिगड़ेगा। यह चलता रहेगा। (ख) दादी चिमटा देखकर उसको लाखों दुआएँ देगीं। उसे स्नेह से गले से लगा लेगीं और लोगों के पास उसकी तारीफ करेगीं। (ग) गर्मी, सर्दी, बारिश इत्यादि में इसका कुछ नहीं बिगड़ेगा। (घ) चिमटे का प्रयोग कई रूप में हो सकता है। यह खिलौने के रूप में, रोटियाँ सेकने के लिए तथा हाथ में मजीरे के समान प्रयोग में लाया जा सकता है।	2
	(ii)	अधिकार अपनत्व से उपजता है। चमेली उसे दया करके अपने पास रख लेती है लेकिन गूँगा उसे अपनत्व समझता है। वह उससे अधिकार चाहता है।	2

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

	(iii)	मुंशी जी की स्थिति सिद्धेश्वरी समझती है। घर की आर्थिक स्थिति खराब है। बड़ा लड़का नौकरी के लिए मारा-मारा फिरता है। अतः मुंशी जी स्वयं घर की स्थिति पर बात करने से कतराते हैं। उन दोनों के मध्य स्थिति को सामान्य करने के लिए सिद्धेश्वरी असंबंद्ध बातें करती है, जो कहानी से संबंद्ध बनाए रखने में सहायता करती हैं।	3
	(iv)	उसका सिर हिमालय, माथे की दोनों गहरी रेखाएँ गंगा और यमुना, नाक विंध्याचल, ठोढ़ी कन्याकुमारी, झुरियाँ-रेखाएँ पहाड़ और नदियाँ तथा बाएँ कंधे पर लहराते हुए बाल बर्मा है।	3
5.	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है। भारतेंदु हरिश्चंद्र। जिसमें देश काल के अनुसार शोधन और बदलाव किया जा सके। जो बात देश और काल के अनुकूल और उपकारी हों, उनको ग्रहण ग्रहण कर लेना चाहिए। अंधविश्वास, विधवा विवाह और बाल विवाह। नए नए धर्म बनाकर शास्त्र में धर दिए।	1 1 1 1 1
		खंड- ग	
6.	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(घ) निर्गुण काव्य धारा (ग) गरीबी (ग) वे स्वयं खेलना चाहते थे (ग) आकाश (क) पतनशील और सामंती व्यवस्था पर	1 1 1 1 1
7.		**प्रसंग व संदर्भ :** कबीर। कबीर के पद	5

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

		व्याख्या : धार्मिक पथभ्रष्टता, कुरीतियों, आडंबरों और दुर्गुणों पर प्रहार । **काव्य सौंदर्य :** शांत रस, प्रसाद गुण, सधुक्कड़ी भाषा, तुकान्तता और गेयता । **अथवा** **प्रसंग व संदर्भ :** नागार्जुन । बादल को घिरते देखा है। **व्याख्या :** स्थूल रूप से प्रकृति चित्रण करना है साथ ही देश पर छाए उन संकट के बादलों से जनता को आगाह करना जो द्वितीय विश्वयुद्ध के रूप में देश को घेरने वाला है। **काव्य सौंदर्य :** खड़ी बोली, संस्कृतनिष्ठतत्सम शब्दावली।	
8	(i)	नंद उनके पिता है। अतः पिता का नाम लेकर वह झूठ नहीं बोलेंगे और सब उनकी बात मान जाएँगे।	2
	(ii)	लाला अपनी छोटी एवं संकुचित दुकान को देखकर वह स्वयं को दयनीय, दुखी और अपमानित अनुभव करता है। वह सोचता था कि वह थोड़ी-सी आय के लिए बात-बात में झूठ बोलता है तथा अपने ही वर्ग के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण अपने जीवन को तबाह कर रहा है।	2
	(iii)	घर में गरीबी भरी है।सभी सदस्य एक-दूसरे का सामना करने से बच रहे हैं।	3
	(iv)	कस्तूरी मृग को इस सत्य का भान ही नहीं होता है कि गंध उसकी नाभि में व्याप्त कस्तूरी से आती है। जब वह ढूँढ़-ढूँढ़कर थक जाता है, तो उसे अपने पर ही चिढ़ हो जाती है। वह अपनी असमर्थता के कारण परेशान हो उठता है।	3
		खंड- घ	
9.	(i)	पेंटिंग से उसका प्यार इतना अधिक है कि हिसाब की किताब में	2

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

		दस रूपये लिखता है तो ड्राइंग की कॉपी में बीस चित्र बना लेता है।	
	(ii)	कला के प्रति लोगों का नज़रिया अब बहुत बदला है। अब लोग कला की कद्र अधिक करते हैं। ऐसा नहीं है कि पहले लोग कला की कद्र नहीं करते थे। लेकिन पहले यह एक वर्ग तक सीमित था।	2
	(iii)	उन्होंने अपने जीवन में जो भोगा, जिन लोगों को पाया, जो अनुभव प्राप्त किया उसे अपनी रचनाओं में उतार डाला। ये ऐसा विवरण है, जिनसे हमें शरत् के जीवन का परिचय मिल जाता है।	3
		खंड- ड़	
10.	(i)	एनकोडिंग' का अर्थ है किसी विचार को व्यक्त करने के लिए प्रतीकों का उपयोग करना ।	1
	(ii)	मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है ।	1
	(iii)	ऐसी कथा जो परदे पर दिखाई जाए या जो परदे पर दिखाने के लिए ही लिखी जाए 'पटकथा' है ।	1
	(iv)	पूर्व में लिखे गये किसी पत्र की अनुपालना न होने पर पत्र प्राप्त करने वाले को प्रेषक की ओर से पुनः स्मरण कराने के लिए अनुस्मारक पत्र लिखने की आवश्यकता पड़ती है।	1
	(v)	डायरी लेखन गद्य साहित्य की एक प्रमुख विधा है।	1
11.	(i)	संचार के बुनियादी तत्वों में प्रेषक, प्राप्तकर्ता,संदेश,माध्यम और संभावित प्रतिक्रिया शामिल हैं।	3
	(ii)	विश्वज्ञानकोश का अर्थ है विश्व के समस्त ज्ञान का भंडार। अत: विश्वज्ञानकोश वह कृति है जिसमें ज्ञान की सभी शाखाओं का सन्निवेश होता है।	2
12.		• प्रत्येक दृश्य के साथ होने वाली घटना के समय का संकेत भी दिया जाना चाहिए।	5

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

		• पात्रों की गतिविधियों के संकेत प्रत्येक दृश्य के प्रारंभ में देने चाहिए। जैसे-रजनी चपरासी को घूर रही है, चपरासी मज़े से स्टूल पर बैठा है। साहब मेज़ पर पेपरवेट घुमा रहा है। फिर घड़ी देखता है। • किसी भी दृश्य का बँटवारा करते समय यह ध्यान रखा जाए कि किन आधारों पर हम दृश्य का बँटवारा कर रहे हैं। • प्रत्येक दृश्य के साथ होने की सूचना देनी चाहिए। • प्रत्येक दृश्य के साथ उस दृश्य के घटनास्थल का उललेख अवश्य करना चाहिए; जैसे-कमरा, बरामदा, पार्क, बस स्टैंड, हवाई अड्डा, सड़क आदि। • पात्रों के संवाद बोलने के ढंग के निर्देश भी दिए जाने चाहिए; जैसे-रजनी (अपने में ही भुनभुनाते हुए)। • प्रत्येक दृश्य के अंत में डिज़ॉल्व, फ़ेड आउट, कटटू जैसी जानकारी आवश्य देनी चाहिए। इससे निर्देशक, अडीटर आदि निर्माण कार्य में लगे हुए व्यक्तियों को बहुत सहायता मिलती है। **अथवा** स्ववृत की विशेषताएँ : • स्ववृत्त में ईमानदारी होनी चाहिए। • किसी भी प्रकार के झूठे दावे या अतिशयोक्ति से बचना चाहिए। • अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और अनुभव के सबल पहलुओं पर जोर देना तो कभी भी नहीं भूलना चाहिए।	

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com

		खंड- च	
13.	(i)	अहिल्याबाई होळकर ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण किया ।	2
	(ii)	अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह ।	2
	(iii)	मन्दिर के निर्माण का उद्देश्य एक ऐसा मन्दिर बनाना था जिसमें अछूत सहित सभी लोग पूजा-अर्चना कर सकें।	2
	(iv)	विज्ञान में रुचि होने के कारण सी वी रमन रमन प्रभाव की खोज कर पाए। पारदर्शी पदार्थ से गुजरने पर प्रकाश की किरणों में आने वाले बदलाव पर की गई इस खोज के लिए सी वी रमन को भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।	2

Edit with WPS Office
Downloaded from www.cclchapter.com